त्रैमासिक सूचना पत्र

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे - 411 001

आइ.एस.ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान - डी ओ टी (020) 6122271, 6125030, 6127545, 6123436
रेलवे - 5860 5870

छात्रावास - डी ओ टी (020) 6130579, 6126816 6121669, रेलवे 5896 5897 5898

फैक्स : 020-6128677
ई-मेल : dr-office@iricen.railnet.gov.in
टेलिग्राम : रेलपथ
वेब साइट : www.iricen.com

ISO 9001 KEMA NVT - QC CERTIFICATE NO. 2003060 DUTCH COUNCIL FOR ACCREDITATION

वर्ष - चतुर्थ अंक - चतुर्थ अक्तूबर - दिसंबर 2000

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन TO BEAM AS A BEACON OF KNOWLEDGE

इस अंक में

1) माननीय रेल राज्यमंत्री का इरिसेन दौरा
2) हमारे गौरव
3) हमारी वैब साइट - सर्वश्रेष्ठ वैब साइट
4) सतर्कता जागरूकता सप्ताह
5) वर्ष 2000 की उपलब्धियां
6) समाचार संक्षेप
7) स्वागत
8) निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
9) सृजन
10) आपके पत्र

1 माननीय रेल राज्य मंत्री का इरिसेन दौरा :-

श्री ओ. राजगोपाल, रेल तथा संसदीय कार्य राज्यमंत्री, भारत सरकार ने दि. 23-10-2000 को संस्थान का दौरा किया तथा संस्थान में उपलब्ध आधुनिकतम प्रशिक्षण सुविधाओं की प्रशंसा की।

(चित्र में माननीय रेल राज्य मंत्री कंप्यूटर केन्द्र (रेल नेट) का अवलोकन करते हुए)

संपादकीय . . . . . .

राजभाषा विशेषांक की आशातीत सफलता के बाद चतुर्थ वर्ष का चतुर्थ अंक आपके हाथों में है। इस वर्ष इस केन्द्रीयकृत प्रशिक्षण संस्थान ने अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है, जिनका विवरण इस अंक में दिया जा रहा है। आइ एस ओ-9001 प्रमाण पत्र प्राप्त इस संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सफलता तथा उपलब्धियों के मूल में संकाय सदस्यों का मार्गदर्शन, अध्ययन तथा निष्ठा एवं कर्मचारियों की समर्पण भावना निहित है।

संस्थान में प्रशिक्षण की आधुनिकतम (State-of-the-art) सुविधाएं उपलब्ध है, जिनकी प्रशंसा न केवल भारतीय अपितु विदेशी इंजीनियर भी करते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में संस्थान अग्रणी है, काग़ज रहित कार्यालय (Paperless office) की संकल्पना को साकार करने के लिए संस्थान प्रयासशील है।

'सृजन' स्तंभ के लिए लगातार रचनाएं प्राप्त हो रही है। रचनाकारों से अनुरोध है कि वे गद्य रचनाएं भी भेजें। आपके पत्रों में जो सुझाव दिए जा रहे हैं, उन्हे यथासमय कार्यान्वित भी किया जा रहा है।

इस अंक पर आपके सुझावों/प्रतिक्रियाओं का स्वागत है।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
कंवरजीत सिंह	सुधीर कुमार जैन	विपिन पवार	राजेश जायसवाल
निदेशक इरिसेन, पुणे	उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक- प्रशिक्षण	राजभाषा सहायक ग्रेड I	सह प्राध्यापक एम. बाबू, आर. जे. पाल

2 हमारे गौरव :-

इस तिमाही में भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के निम्नलिखित परीवीक्षार्थियों ने रेलवे स्टाफ कालेज, वडोदरा में आयोजित अधिष्ठापन (Induction) एवं बुनियादी (Foundation) पाठ्यक्रमों में महानिदेशक का प्रतिष्ठित पदक प्राप्त किया :-

1) श्री राघवेन्द्र सारस्वत

2) श्री भावेश पांडेय

3) श्री मनीष गुप्ता

4) श्री मनीष कुमार अवस्थी

5) श्रीमती मोना श्रीवास्तव

6) श्री नटराज सिंह

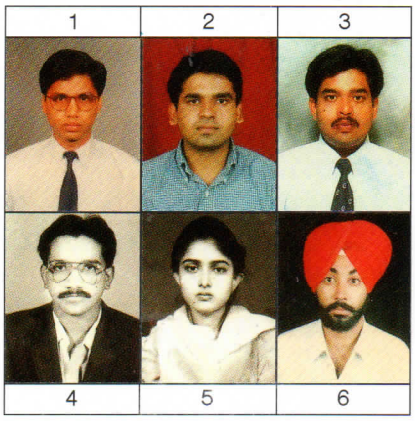

इरिसेन परिवार उपर्युक्त अधिकारियों का हार्दिक अभिनंदन करता है।

3 हमारी वैब साइट - सर्वश्रेष्ठ वैब साइट -

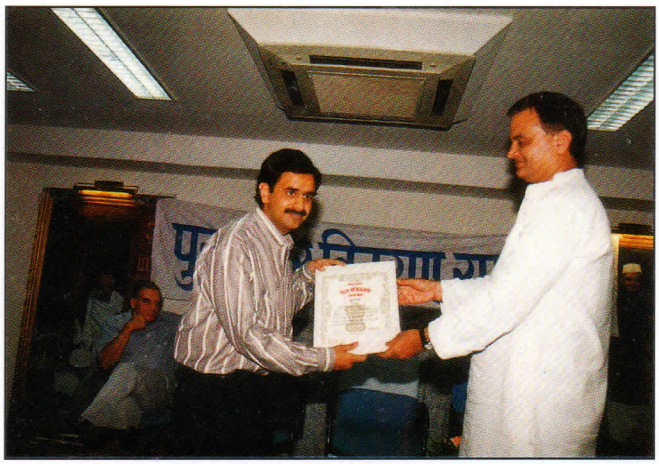

राजभाषा स्वर्ण जयंती वर्ष समापन समारोह के अवसर पर रेल भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में माननीय रेल राज्य मंत्री श्री दिग्विजय सिंह जी ने संस्थान की वैब साइट को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया। चित्र में पुरस्कार ग्रहण करते हुए संस्थान के प्रतिनिधि श्री सी. एच. बठीजा, तकनीकी सहायक (कंप्यूटर) तथा बैठे हुए बाएं से श्री डी. पी. त्रिपाठी, सचिव-रेलवे बोर्ड।

4 सतर्कता जागरूकता सप्ताह -

संस्थान में दि. 31-10-2000 से 4-11-2000 तक "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" मनाया गया। सप्ताह का प्रारंभ शपथ ग्रहण तथा मुख्य सतर्कता आयुक्त के संदेश वाचन से हुआ। सप्ताह के दौरान कर्मचारियों के लिए सतर्कता से संबंधित विषयों पर निबंध लेखन तथा वाक् प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। सप्ताह के अंत में "सतर्कता के प्रति जागरूकता" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें विशेष कार्य अधिकारी, मध्य रेल, पुणे सहित मंडल के अनेक अधिकारी भी उपस्थित थे। सप्ताह के दौरान आयोजित समस्त कार्यक्रमों का संचालन श्री विपिन पवार ने किया।

(चित्र में बाएं से डॉ. एस. के. सिन्हा, प्राध्यापक - रेल पथ 1, श्री विनोद कुमार, पूर्व निदेशक तथा श्री न. श्री. कस्तुरीरंगन, विशेष कार्य अधिकारी, मध्य रेल, पुणे)

5 वर्ष 2000 की उपलब्धियां -

(1) संस्थान को भारतीय रेल पर आइ एस ओ-9001 प्रमाण पत्र प्राप्त प्रथम प्रशिक्षण संस्थान होने का गौरव प्राप्त हुआ।

(2) दि. 3-4-2000 को सूडान रेलवे के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडल ने संस्थान का दौरा किया तथा उपलब्ध प्रशिक्षण सुविधाओं की प्रशंसा की।

(3) संस्थान में दि. 21-2-2000 से 17-3-2000 तक मलेशिया के रेलवे इंजीनियरों के लिए रेलपथ तथा पुलों पर चार सप्ताह का एक विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम का व्दितीय चरण जुलाई 2000 में कुआलालमपुर में आयोजित किया गया। जिसमें 30 इंजीनियरों ने भाग लिया। इस दौरान "उच्च गति की रेलवे लाइन के अभिकल्प तथा निर्माण" पर आयोजित सेमिनार को भारी सफलता प्राप्त हुई।

(4) दि. 22 तथा 23 मई 2000 को "रेल पुलों पर चल स्टॉक की निकासी" विषय पर आयोजित कार्यशाला में 20 अधिकारियों ने भाग लिया।

(5) जून 2000 में "संशोधित (प्रस्तावित) गैंग संख्या" पर संस्थान में दो कार्यशालाएं आयोजित की गई।

(6) दि. 4 से 6 सितम्बर 2000 तक "विवाचन" पर एक त्रि-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य इंजीनियरों, उप महाप्रबंधकों (सामान्य) सहित कार्यकारी निदेशक - सिविल इंजी. (सा.), रेलवे बोर्ड ने भी भाग लिया। इस कार्यशाला की महत्वपूर्ण सिफारिशें रेलवे बोर्ड भेजी गई है, ताकि रेलों पर विवाचन का कार्य सुचारू ढंग से चल सके। इस कार्यशाला के पाठ्यक्रम निदेशक श्री सुधीर जैन, प्राध्यापक/ प्रशिक्षण थे।

(7) दि. 7 से 18 अगस्त 2000 तक "रेल पथ मशीनों का अनुरक्षण" विषय पर दो सप्ताह का एक विशेष पाठ्यक्रम

चलाया गया, जिसका प्रथम चरण भारतीय रेल रेल पथ मशीन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद में तथा व्दितीय चरण संस्थान में सम्पन्न हुआ। इस प्रकार का पाठ्यक्रम पहली बार आयोजित किया गया।

(8) वर्ष 2000 में, संस्थान में तथा कार्यक्षेत्र में आयोजित पाठ्यक्रमों में कुल 1400 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया, जबकि लक्ष्य 1210 अधिकारियों का था, यह रिकार्ड उपलब्धि है।

(9) इस वर्ष 143 पाठ्यक्रम सप्ताहों का आयोजन किया गया, जबकि लक्ष्य 140 पाठ्यक्रम सप्ताहों का था।

(10) वर्ष के दौरान निजी/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के 41 तथा विदेशों के 21 इंजीनियरों को प्रशिक्षण दिया गया।

(11) इस वर्ष वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारियों के लिए छः सेमिनार तथा एक कार्यशाला आयोजित की गई।

(12) 25 मार्च 2000 से इरिसेन रेल नेट से जुड़ गया, इस अवसर पर महाप्रबंधक, मध्य रेलवे ने इस सुविधा का उद्घाटन किया।

6 समाचार संक्षेप -

* दि. 3 से 20 अक्तूबर 2000 तक सहायक पुल इंजीनियरों तथा पुल अभिकल्प सहायकों के लिए "पुल अभिकल्प" पर एक विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 16 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।
* इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) के स्थानीय चैप्टर के अंतर्गत इस तिमाही में श्री वी. पी. साम्ब्राणी, पूर्व मुख्य कार्मिक अधिकारी/कोंकण रेल व्दारा "इमोशनल इंटेलीजेन्स" पर व्याख्यान दिया गया।
* दक्षिण रेलवे के अनुरोध पर, संस्थान व्दारा दि. 29 तथा 30 नवंबर 2000 को चैन्ने में "कंक्रीट पुलों की मरम्मत तथा पुनर्स्थापना" पर एक फील्ड पाठ्यक्रम चलाया गया, जिसमें 47 अधिकारियों ने भाग लिया। संस्थान की ओर से श्री अजीत पंडित, प्राध्यापक - पुल 1 ने इस पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिए।
* पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अनुरोध पर, संस्थान व्दारा दि. 8 तथा 9 दिसंबर 2000 को मालीगांव में "रेल/झलाई विभंजन तथा पराध्वनिक दोष संसूचक (USFD) परीक्षण" पर एक फील्ड पाठ्यक्रम चलाया गया, जिसमें 25 अधिकारियों/पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। श्री अरविंद कुमार, वरिष्ठ प्राध्यापक - रेल पथ-2 तथा डॉ. एस. के. सिन्हा, प्राध्यापक/रेल पथ-1 ने यह पाठ्यक्रम संचालित किया।
* दक्षिण पूर्व रेलवे के अनुरोध पर, संस्थान व्दारा दि. 26 तथा 27 दिसंबर 2000 को भुवनेश्वर में "कंक्रीट प्रौद्योगिकी तथा मिश्र अभिकल्प" पर एक फील्ड पाठ्यक्रम चलाया गया, जिसमें 45 अधिकारियों/पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। श्री अजीत पंडित, प्राध्यापक पुल 1 तथा श्री सुभाषचंद गुप्ता, प्राध्यापक, कंप्यूटर ने यह पाठ्यक्रम संचालित किया।

7 स्वागत -

श्री सुधीर कुमार जैन

हिंदी में प्रवीणता प्राप्त, संस्थान के प्राध्यापक/प्रशिक्षण श्री सुधीर कुमार जैन ने दि. 1-12-2000 से उप मुख्य राजभाषा अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

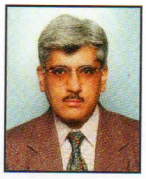

श्री हितेश खन्ना

● सिविल इंजीनियरी स्नातक, हिंदी में प्रवीणता प्राप्त, 1981 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री हितेश खन्ना ने अप्रैल 1983 में सहायक इंजीनियर, मध्य रेल, झांसी के रूप में पदभार ग्रहण किया। अनुरक्षण तथा निर्माण के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने के उपरांत आपकी तैनाती निदेशक/रेल पथ मशीन/रेलवे बोर्ड के रूप में हुई। आपने दिनांक 26-12-2000 को संस्थान में वरिष्ठ प्राध्यापक/रेल पथ/3 (वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी) का पदभार ग्रहण किया। इरिसेन परिवार आपका हार्दिक स्वागत करता है।

8 निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

सत्र क्र.	दिनांक से	दिनांक तक	विषय	अधिकारियों की कोटि
120	14-03-2001	15-03-2001	मुख्य रेल पथ इंजीनियरों का सेमिनार	मु. रे. प. इंजी.
122	19-03-2001	20-03-2001	1975 बैच के अधिकारियों के लिए स्थापना दिवस पर सेमिनार	1975 बैच के प्र. प्र. श्रे. अधि.
154	19-03-2001	30-03-2001	एन. टी. पी. सी. इंजीनियरों के लिए रेल पथ तथा पुल अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	एन. टी. पी. सी. इंजीनियर्स
109	26-03-2001	08-06-2001	समेकित पाठ्यक्रम	समूह 'ख' में पदोन्नत सिविल इंजीनियरी विभाग के अधिकारी
123	02-04-2001	06-04-2001	रेल पथ नवीकरण पर विशेष पाठ्यक्रम	अ.प्र.श्रे., प्र.वे.मा. तथा अ. वे. मा. अधिकारी
113	16-04-2001	04-05-2001	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल)	सिविल इंजी.विभाग के सभी चयन श्रेणी, अ.प्र.श्रे. तथा प्र.वे.मा. अधिकारी
125	23-04-2001	25-04-2001	भा.रे.का.से.के.परीवीक्षार्थियों के लिए परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. का. से. (परी.)
124	30-04-2001	04-05-2001	लंबी झलाईकृत रेलों तथा कंक्रीट स्लीपर के अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	प्र.वे.मा. तथा अ. वे. मा. अधिकारी

9 सृजन (कविता)

स्विच एक्सपेंशन जोड़

मेरे नाम से मुझे
स्विच एक्सपेंशन जोड़ कहते है,
मेरी जरूरत पूरी न करने वाले
चैन से नहीं रहते है ।

दूसरे जोड़ो की तरह
मैं नहीं हूं नरम,
नंगे जोड़ो की हालत देखकर
मुझे आती है शरम ।

बाजू में गिट्टी पड़ी है और
मुझे कर रखा है नंगा,
घबरा जावेंगे जब मैं अपने
प्रचंड रूप से कर दूंगा दंगा ।

मेरे साथ कितना बड़ा,
घोर अन्याय आप करते हैं,
मेरे स्वास्थ्य निरीक्षण को
1 मिनंट ठेले से भी नहीं उतरते है ।

आप भूल रहे है कि एल. डब्ल्यू.आर.
मेरे बिना सांस नहीं ले सकता,
और सांस बिना वो आपको
अच्छी सर्विस नहीं दे सकता ।

जिसने प्रापर लेइंग करके
मुझे किया संतुष्ट,
मैंने उनकी मदद की और
होने नहीं दिया रूष्ट ।

मेरी जरूरत के लिए
याद रखो चार बातें,
पालन करने वाले
कभी भी मार नहीं खाते ।

मेरे लिए चौड़े स्लीपर 70 से.मी.
गाला व एंगिल लगाना जरूरी है,
इसके बिना अगर मैं तकलीफ
देता हूं, तो मेरी मजबूरी है ।

मेरे निरीक्षण में अगर आप 20 एम.एम.
और 100 एम.एम. गैप पर जग जायेंगे,
किसी भी मौसम में आप
मुहं की नहीं खायेंगे ।

शिकायत करते हो कि
एस. ई.जे.ने बोल्ट तोड़ दिया है ।
जिम्मेदार आप है जिन्होंने
15 दिन से मुझे ढ़ीला छोड़ दिया है ।

स्लीपर ठीक न रहने पर
या गैप ज्यादा होने पर
मेरा खांचा बाहर आ जाता है,
अगर मैं खांचे से टूटता हूं
तो इसका दोष भी मेरे सिर आता है ।

अगर आप चाहते हैं रहना सुखी,
तो मुझे न करें दुखी ।
मेरी जरूरत पूरी करें,
और किसी से न डरें ।

- देवेन्द्र कुमार मल्होत्रा,
सहायक इंजीनियर, (बडी लाइन) अनुरक्षण,
मध्य रेलवे, बंगला क्र. एफ/2,
रेलवे स्टेशन के पास, ग्वालियर, (म. प्र.) 474002

10 आपके पत्र

'इरिसेन' के त्रैमासिक सूचना पत्र का राजभाषा विशेषांक प्राप्त हुआ। भारतीय रेल पर सर्वोत्कृष्ट व्दिभाषी वैब साइट के निर्माण पर हार्दिक बधाई। संपादकीय सोचने को विवश करता है। 'सृजन' से अपेक्षायें बढ़ना स्वाभाविक है। 'मैं, तुम और रेलवे' शीर्षक से प्रकाशित विपिन पवार की कविता अपनी अलंकारिक भाषा शैली के कारण रोचकता लिए हुए है। शुभकामनाएं।

- विनोद कुशवाहा
प्रांतीय संयोजक
म. प्र. जनचेतना लेखक संघ, इटारसी

आपके व्दारा प्रकाशित त्रैमासिक सूचना पत्र का वर्ष-चतुर्थ, अंक-तृतीय, जुलाई-सितम्बर 2000 प्राप्त हुआ, अत्यन्त प्रसन्नता हुई। पत्रिका में प्रकाशित तकनीकी जानकारी की नई खोज के पाठ्यक्रमों के बारे में पता चलता है, जो कि प्रशंसनीय है। इन लेखों के लेखकों को मैं बधाई देता हूं। आशा है इस पत्रिका का अगला अंक हमें उत्कृष्ट सज्जा एवं नये कलेवर के साथ प्राप्त होगा।

- बी. सी. भारव्दाज,
क्षेत्रीय प्रबन्धक
मध्य रेलवे, आगरा छावनी

('सृजन' स्तंभ में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने विचार है।)

सुधीर कुमार जैन, उपमुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, प्रशिक्षण, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क आंतरिक वितरण हेतु प्रकाशित एवं **मेसर्स एम. आर. एंड कंपनी,** सदाशिव पेठ, पुणे 411030 फोन 4330449 द्वारा मुद्रित